International Journal of Hindi Research
www.hindijournal.com
ISSN: 2455-2232
Received: 06-06-2021, Accepted: 25-06-2021, Published: 09-07-2021
Volume 7, Issue 4, 2021, Page No. 19-23

सोशल मीडिया में साइबर अपराध: शोधार्थियों के विशेष संदर्भ में

Arvind
Ph.D, Research Scholar, Department of Mass Communication and New Media, Central University of Jammu, Jammu and Kashmir, India

सारांश
वर्तमान दौर में सोशल मीडिया ने लोगों की सोच, और एक दूसरे के साथ हो रहे संवाद पर बेहद गहरा प्रभाव डाला है। यहाँ तक कि मुख्यधारा का मीडिया भी इस आभासी दुनिया से प्रभावित हुआ है। जहां इस माध्यम से समाज में एक प्रकार की सकारात्मक क्रांति आई है वहीं इसके नकारात्मक प्रभाव भी देखने को मिल रहें हैं। साइबर अपराध जैसे नकारात्मक प्रभाव और समस्या देखने हो मिल रही है। जिसके कारण शिक्षाविदों और नीति बनाने वाले लोगों को गहरी चिंता में डाल दिया है। दुनियाँ में ये प्लेटफार्म साइबर अपराध की बढ़ती घटनाओं के लिए एक साफ़ और खुला मंच प्रदान करते हैं।
प्रस्तुत शोध आलेख के माध्यम से ये देखने का प्रयास किया गया है कि सोशल मीडिया में साइबर अपराध हो रहा है? कैसे और किस तरह अभिव्यक्ति की आज़ादी की आड़ में साइबर अपराध हो रहा है? प्रस्तुत शोध-पत्र में सोशल मीडिया में साइबर अपराध का अध्ययन किया गया है और साइबर अपराध के प्रति शोधार्थियों में जागरूकता के स्तर को जानने का प्रयास किया गया है।

मूल शब्द: सोशल मीडिया, साइबर अपराध, इंटरनेट।

प्रस्तावना
वर्तमान समय में सोशल मीडिया लोगों के दिनचर्या का एक अहम हिस्सा बन गया है। सस्ते इंटरनेट और स्मार्टफोन होने की वजह से लोग बड़ी आसानी से इंटरनेट-फ्रेंडली हो रहे हैं, जिसके कारण लोग अनजाने में कई प्रकार के साइबर अपराध का शिकार हो रहे हैं, जिस तरह से सोशल मीडिया का प्रचलन बढ़ता जा रहा है, वैसे ही साइबर अपराध की वारदातों की संख्या में भी वृद्धि हो रही है। जहाँ सोशल मीडिया लोगों को एक मंच प्रदान करता हैं अपनी बात रखने को वहीं कुछ लोग इस माध्यम से साइबर अपराध जैसी घटनाओं को अंजाम दे रहें हैं। सोशल मीडिया के जरिए आज कई तरह से साइबर क्राइम हो रहे हैं। जैसे कि सोशल साइट्स पर फेक आईडी बना कर लोग अपनी व्यक्तिगत जानकारियाँ साझा करते हैं। जिससे हैकर्स एकाउंट्स को आसानी से हैक कर लेते हैं और फिर प्राप्त सूचना का दुरुपयोग करते हैं साथ ही ब्लैकमेल जैसी अपराध करते हैं। लोगों को सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर हैकर्स ऑनलाइन ठगी का शिकार भी बनाते हैं।

साइबर अपराध क्या है?
साइबर अपराध से अभिप्राय सोशल साइटों पर अभद्र और अश्लील भाषा का प्रयोग, किसी को धमकियां देना। आर्थिक रूप से किसी को ठगना, बुलिंग, हैकिंग, चाइल्ड पॉर्नोग्राफी, सॉफ्टवेयर पाइरेसी, क्रेडिट कार्ड फ्रॉड, फिशिंग, डाटा चोरी आदि साइबर अपराध की श्रेणी में आते है। यह एक गैर-कानूनी कार्य हैं जिसे कंप्यूटर, लैपटॉप, स्मार्टफोन एवं इंटरनेट नेटवर्क का प्रयोग करके किया जाता है।

साहित्य समीक्षा
प्राथमिक स्रोत (Primary Sources): प्रस्तुत शोध में प्राथमिक स्त्रोतों से तथ्यों के संकलन हेतु प्रश्नावली का प्रयोग किया गया हैं।

द्वितीय स्त्रोत (Secondary Sources): अध्ययन में द्वितीय स्त्रोत के अंतर्गत शोध पत्र-पत्रिकाएं, पुस्तकें,वेबसाइट इत्यादि का उपयोग किया गया है।

शोध उद्देश्य
- सोशल मीडिया में बढ़ते साइबर अपराध का अध्ययन ।

- साइबर अपराध के प्रति शोधार्थियों में जागरूकता का अध्ययन।

न्यादर्श का चयन

प्रस्तुत शोध कार्य के लिए जम्मू एवं कश्मीर राज्य के जम्मू क्षेत्र का चयन किया है। क्षेत्र का चयन उद्देश्यपरक न्यादर्श द्वारा केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू में अध्ययनरत पी.एच.डी शोधार्थियों का चयन किया गया है।

शोध प्रविधि

प्रस्तुत शोध के लिए सर्वेक्षण व अवलोकन शोध प्रविधि का प्रयोग किया गया है। उपकरण के रूप में प्रश्नावली का प्रयोग किया गया हैं।

प्रदत्त संकलन

शोध कार्य के लिए चुने गए क्षेत्र में 50 प्रश्नावली वितरित की गई, जिसमें विभिन्न प्रकार के 6 वैकल्पिक प्रश्न शामिल किए गए थे। जो कि शोध उद्देश्य से संबंधित थे।

प्रदत्त विश्लेषण व विवेचन

प्रस्तुत अध्ययन में उत्तरदाता पी-एच. डी शोधार्थी हैं अतः अध्ययन में उन्हीं उत्तरदाताओं का चयन किया गया हैं जो सोशल मीडिया का प्रयोग करते हैं । प्रश्नावली से प्राप्त आँकड़ो के विश्लेषण से निष्कर्ष के रूप में, जो महत्वपूर्ण परिणाम निकलकर आए हैं। उनका वर्णन निम्न हैं।

प्रश्न 1-सोशल मीडिया के माध्यम से साइबर अपराध होता ?

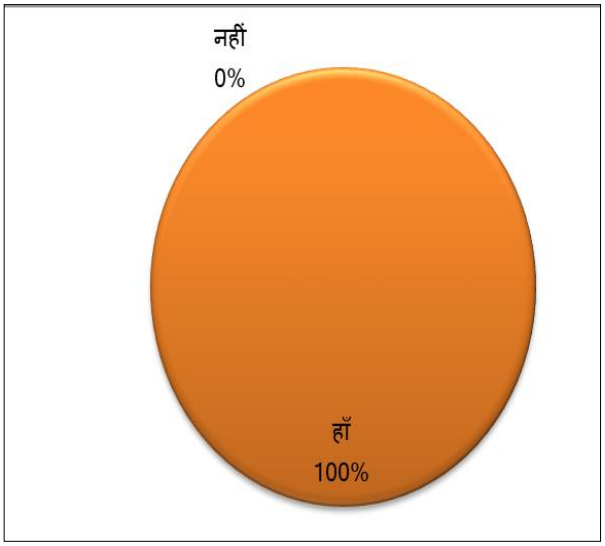

चित्र 1

तालिका 1

उत्तरदाता की संख्या हाँ	उत्तरदाता की संख्या नहीं	हाँ उत्तरदाता की संख्या प्रतिशत में	नहीं उत्तरदाता की संख्या प्रतिशत में
50	0	100 %	0 %

कुल पचास शोधर्थियों में से सभी उत्तरदाताओं ने यह बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से साइबर अपराध होता है अर्थात 100% प्रतिशत शोधर्थियों ने यह बात मानी कि सोशल मीडिया के माध्यम से साइबर अपराध होता है।

प्रश्न 2-क्या आपके साथ कभी किसी प्रकार का साइबर अपराध हुआ है ?

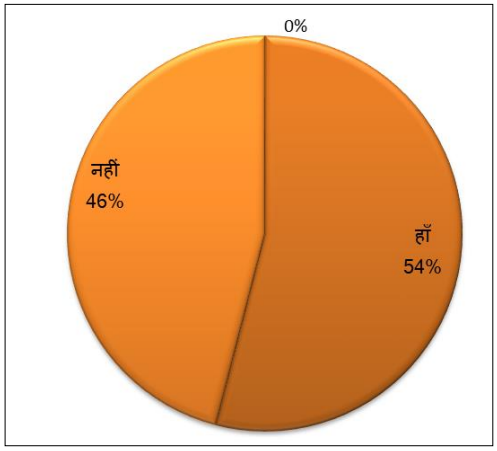

चित्र 2

तालिका 2

उत्तरदाता की संख्या हाँ	उत्तरदाता की संख्या नहीं	हाँ उत्तरदाता की संख्या प्रतिशत में	नहीं उत्तरदाता की संख्या प्रतिशत में
27	23	54 %	46 %

अध्ययन में सम्मिलित कुल उत्तरदाताओं में से 54% प्रतिशत उत्तरदाताओं ने यह बताया कि वह सोशल मीडिया पर साइबर अपराध का शिकार हुए हैं। अन्य उत्तरदाताओं ने जानकारी दी कि वह साइबर अपराध का शिकार नहीं हुए हैं।

प्रश्न 3-किस प्रकार के सायबर अपराध से प्रभावित हुए हो ?

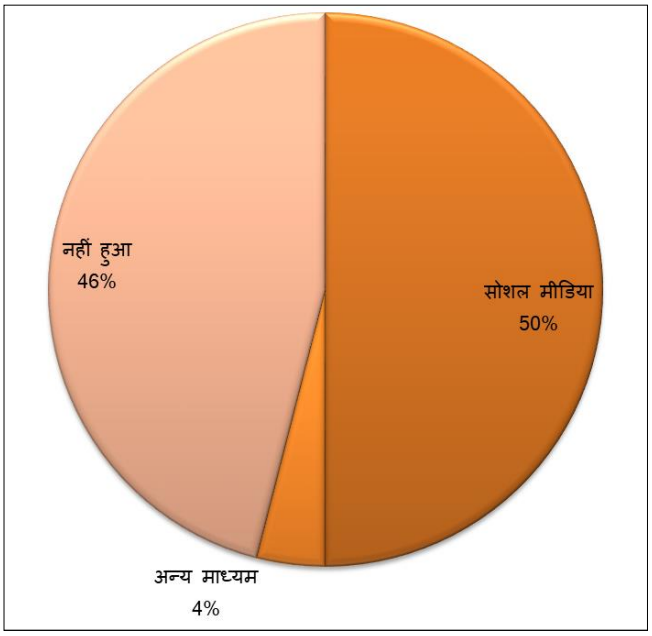

चित्र 3

अध्ययन में सम्मिलित कुल उत्तरदाताओं में से 50 % प्रतिशत उत्तरदाताओं सोशल मीडिया में साइबर अपराध साए प्रभावित हुए। 4% प्रतिशत उत्तरदाताओं अन्य साइबर अपराध से प्रभावित हुए। 46% प्रतिशत उत्तरदाताओं के साथ अपराध हुआ ही नहीं। निष्कर्ष के तौर पर कहा जा सकता है कि शोधार्थी सोशल मीडिया के माध्यम से साइबर अपराध से प्रभावित हुए हैं। साथ ही अन्य माध्यम से भी प्रभावित हुए हैं।

तालिका 3

उत्तरदाता की संख्या हाँ	उत्तरदाता की संख्या नहीं	अपराध नहीं हुआ	हाँ, उत्तरदाता की संख्या प्रतिशत में	नहीं उत्तरदाता की संख्या प्रतिशत में	अपराध नहीं हुआ । की संख्या प्रतिशत में
25	2	23	50%	4	46

प्रश्न 4-अगर आपके साथ कोई साइबर अपराध हुआ है। तो अपने उस अपराध के शिकायत की ?

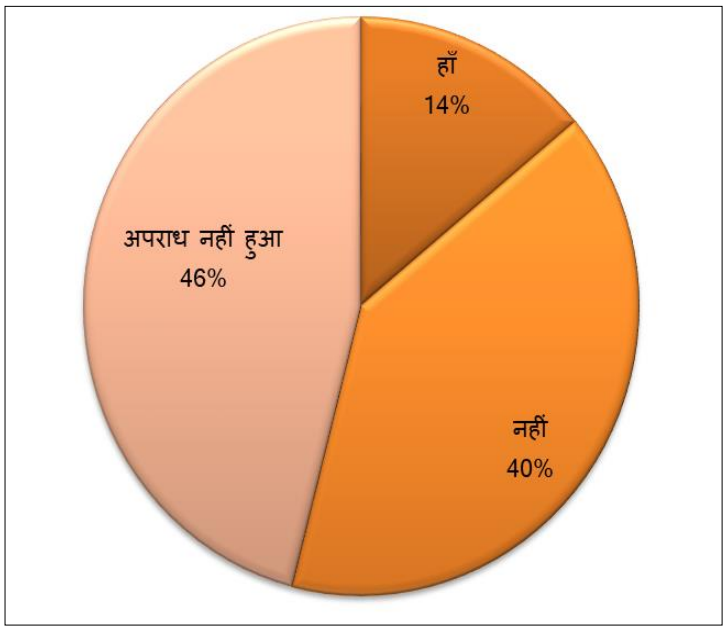

चित्र 4

तालिका 4

उत्तरदाता की संख्या हाँ	उत्तरदाता की संख्या नहीं	अपराध नहीं हुआ	हाँ, उत्तरदाता की संख्या प्रतिशत में	नहीं उत्तरदाता की संख्या प्रतिशत में	अपराध नहीं हुआ । की संख्या प्रतिशत में
7	20	23	14	40	46

अध्ययन में सम्मिलित कुल उत्तरदाताओं में से 14% प्रतिशत उत्तरदाताओं ने ही साइबर अपराध के खिलाफ शिकायत की 40% प्रतिशत उत्तरदाताओं ने शिकायत नहीं की साथ ही 46% प्रतिशत उत्तरदाताओं के साथ अपराध हुआ ही नहीं।

प्रश्न 5-क्या सोशल मीडिया के आने से साइबर अपराध में बढ़ोत्तरी हुई है?

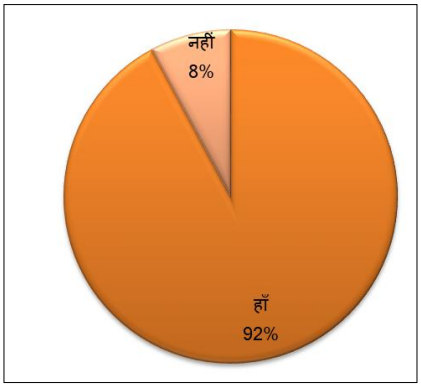

चित्र 5

तालिका 5

उत्तरदाता की संख्या हाँ	उत्तरदाता की संख्या नहीं	हाँ उत्तरदाता की संख्या प्रतिशत में	नहीं उत्तरदाता की संख्या प्रतिशत में
46	4	92 %	8%

अध्ययन में सम्मिलित कुल पचास उत्तरदाताओं में से 46 उत्तरदाताओं ने यह बताया कि सोशल मीडिया के आने से साइबर अपराध में बढ़ोत्तरी हुई है। अन्य 4 उत्तरदाताओं का मानना है कि नहीं होती। निष्कर्ष के तौर पर कहाँ जा सकता है कि अधिकतर उत्तरदाताओं का मानना है कि सोशल मीडिया के आने से साइबर अपराध में बढ़ोत्तरी हुई है।

प्रश्न 6-आप साइबर अपराध संबंधित कानून से परिचित हैं ?

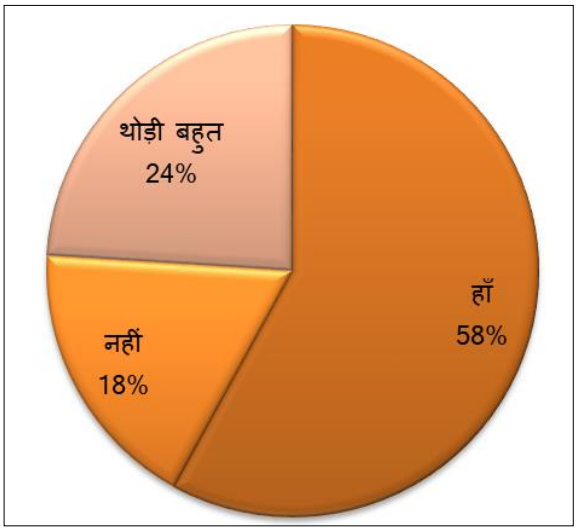

चित्र 6

तालिका 6

उत्तरदाता की संख्या हाँ	उत्तरदाता की संख्या नहीं	उत्तरदाता की संख्या थोड़ी बहुत	हाँ उत्तरदाता की संख्या प्रतिशत में	नहीं उत्तरदाता की संख्या प्रतिशत में	उत्तरदाता की संख्या प्रतिशत में थोड़ी बहुत
29	9	12	58%	18%	24%

अध्ययन में सम्मिलित कुल उत्तरदाताओं में से 58% प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि वह साइबर संबंधित कानून से परिचित हैं। अन्य 18 % प्रतिशत उत्तरदाताओं ने जानकारी दी कि वह साइबर अपराध से संबंधित कानून की जानकारी नहीं हैं। 24% उत्तरदाताओं को अपराध से संबंधित कानून की जानकारी थोड़ी बहुत हैं।

निष्कर्ष

अध्ययन में उत्तरदाताओं से प्राप्त आँकड़ों के विश्लेषण से कहा जा सकता है। सोशल मीडिया के माध्यम से साइबर अपराध होता है साथ में सोशल मीडिया के आने से साइबर अपराध में बढ़ोत्तरी हुई है। किसी ना किसी रूप में अधिकतर शोधार्थी साइबर अपराध से प्रभावित हुए है और उस अपराध के खिलाफ शिकायत

भी की है। साथ ही अध्ययन में देखने को मिलता है अधिकतर शोधार्थी साइबर अपराध और साइबर अपराध कानून के प्रति जागरूक हैं। अत: कहा जा सकता है सूचना युग/ डिजिटल युग में साइबर अपराध एक गंभीर एवं जटिल समस्या है। वर्तमान में जब हम इंटरनेट क्रांति की पाँचवीं पीढ़ी में प्रवेश कर गए है। ऐसे में यदि हमने साइबर हमलों को रोकने में सफलता प्राप्त कर ली तो अवश्य ही सूचना की यह क्रांति हमारे लिये वरदान सिद्ध होगी। ऐसे में हमें एक बेहतर 'साइबर सुरक्षा' कानून की आवश्यकता है। लोगों को साइबर अपराध के प्रति जागरूक करना जरूरी है। साथ ही भारत को इस क्षेत्र में तीव्र गति से कार्य करना होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. सोशल मीडिया और युवा विकास लेखक सुरेन्द्र कुमार डॉ मुकुल मीडिया मीमांश जनवरी-फरवरी 2017
2. सोशल मीडिया के उपयोग के बाद युवाओं की पुस्तकों से बढती दूरी का अध्ययन लेखक दिपक राय IJHR नवंबर 2016. 32-40
3. खान, तसनीम (2016). मूल्यानुगत मीडियो का मायने: आध्यात्मिकता, मीडिया और सामाजिक बदलाव.
4. सामाजिक परिवर्तन एवं संचार माध्यम. दिल्लीः शिवालिक प्रकाशन, पृ. 13
5. कुमार,विनीत (2020, मई), सोशल मीडियाः डेटा पैक का जनतंत्र. तद्भव, पृ. 41
6. सिंह, अमित कुमार व यादव, राम कुमार (2017). सोशल मीडिया के विविध आयाम. सोशल मीडियाः संचार और संवाद का नया दौर, नई दिल्लीः स्वराज प्रकाशन, पृ. 95
7. सोशल मीडिया: समस्या व समाधान, 05 Jun 2020 https://www.drishtiias.com/hindi/daily-updates/daily-news-editorials/are-social-media-platforms-the-arbiters-of-truth
8. Naya Media : Adhayan Aur Abhayas by Shalini Joshi And Shiv Prasad Joshi (Author) January 2015
9. Cyber Media and Information Technology by Gopi Krishna Sahay (Author) January 2014
10. Social Media Paperback by SumanSwarn (Author)18 July 2014
11. Fake news and social media: Indian perspective. Media Watch, 10(3), 737-750. 2019 by Abali and P Desai.
12. https://www.drishtiias.com/hindi/pdf/*1586265907*-cyber-crime-and-role-of-social-media.pdf
13. https://www.amarujala.com/technology/social-network/crime-against-women-on-social-social-media-every-*2*-seconds-but-cybercriminals-are-never-caught
14. https://www.amarujala.com/columns/opinion/deepfake-in-the-era-of-cyber-crime
15. https://www.jagran.com/blogs/panditvarun*2010/*cyber-crime-and-sexual-content/
16. https://hinditechacademy.com/what-is-social-media-crime-in-hindi/
17. http://hindi.webdunia.com/it-news/mobile-phones-115111800050_1.html/
18. https://hi.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%B8%E0%A4%BE%E0%A4%88%E0%A4%AC%E0%A4%B0_%E0%A4%85%E0%A4%AA%E0%A4%B0%E0%A4%BE%E0%A4%A7
19. http://www.scribd.com/doc/13653301/The-Effect-of-Social-Networking-Sites